

## **BUREAU OF INDIAN STANDARDS**

### **FOR IMMEDIATE RELEASE**

PRESS NOTE: G/5/2018-19

18<sup>th</sup> May 2018

#### **Press Note: National Conference on LVDC Power Distribution Systems at Shillong**

Bureau of Indian Standards, BIS, organized a National Conference on the theme "Low Voltage Direct Current (LVDC) Power Distribution Systems at North Eastern Council Auditorium, Shillong on Friday, 18th May, 2018.

The Conference was attended by large number of delegates from government departments, state utilities, premier educational institutions entrepreneurs and academicians.

Inaugurating the conference, Smt. Surina Rajan, Director General, BIS emphasized that India is one of the largest economies and has one of the highest growth rate amongst all major countries of the world. In order to sustain the growth rate of the Indian economy, electricity generation both from conventional and non-conventional sources alongwith transmission and distribution has to grow at a brisk pace. However, owing to the vast geographical spread, there are many remote and far flung areas in the country especially in the North East where grid connectivity is either not feasible or it is not cost effective. Since electricity access has the potential to improve livelihoods and raise the standard of living, there is an urgent need to provide electricity access in such areas.

Convergence of communication and energy, IoT, smart grid and other new emerging technologies will have profound impact on the way the energy sector would grow in the future.

Bureau of Indian Standards (BIS) is driving the work relating to formulation of Indian Standards on Low Voltage Direct Current (LVDC) Power Distribution Systems and its promotion. BIS is also in the process of formulating National Standards in the field of grid integration of renewable energy.

Sh Ram Muivah Secretary, NEC stated that the Conference would be extremely beneficial in gainfully engaging all the stakeholders including the policy makers, industries and the technical experts with the overall objective of spreading awareness and promoting utilization of energy technology in the field of LVDC and grid integration of renewal energy.

Sh C B Singh, Additional Director General, Sh Vishnu Gupta, Deputy Director General and Sh Rajeev Sharma, Head, Electrotechnical, BIS also participated in the Inaugural Session.

Renowned technical experts, academicians, entrepreneurs including Sh Vimal Mohindru, Chair of the IEC Systems Committee on LVDC, Sh Debajit Palit, Sh Rajesh Kunnath, Sh Venkat Rajaram, Dr Rashmi Gupta, Sh Kartik Wahi, Sh Amit Mukherjee and Smt Vandana Singhal presented their technical papers during the Conference

## **भारतीय मानक ब्यूरो**

### **तत्काल रीलीज के लिए**

**प्रेस नोट: जी/5/2018-19**

**18 मई 2018**

### **प्रेस नोट: एलवीडीसी पावर वितरण प्रणाली पर शिलांग में राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन**

भारतीय मानक ब्यूरो, बीआईएस ने 18 मई 2018, शुक्रवार को “लो वोल्टेज डायरेक्ट करंट (एलवीडीसी) पावर वितरण प्रणाली” विषय पर नॉर्थ इस्टर्न काउंसिल सभाागार, शिलांग में एक राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन किया। इस सम्मेलन में बड़ी संख्या में सरकारी विभागों, राज्य की जनोपयोगी सेवाओं, प्रमुख शैक्षिक संस्थानों के प्रतिनिधियों एवं उद्यमियों और शिक्षाविदों ने हिस्सा लिया।

सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए बीआईएस की महानिदेशक श्रीमती सुरीना राजन ने कहा कि भारत विश्व की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक है और विश्व के प्रमुख देशों में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सबसे अधिक है। भारतीय अर्थव्यवस्था की इस वृद्धि दर को बनाए रखने के लिए आवश्यक है कि परंपरागत एवं गैर-परंपरागत स्रोतों से बिजली के उत्पादन के साथ उसके प्रसार और वितरण की प्रगति तेजी से हो। परंतु भौगोलिक रूप से व्यापक होने के कारण देश के दूर-दराज के इलाकों विशेषकर, उत्तर-पूर्व के इलाकों में ग्रिड स्थापित करना या तो बहुत कठिन है या फिर लागत की दृष्टि से महंगा है। बिजली के पहुंचने से जीवन स्तर और जीविका की संभावनाएं बेहतर होती हैं इसलिए ऐसे क्षेत्रों में बिजली उपलब्ध कराना अति आवश्यक है।

संचार एवं ऊर्जा, आईओटी, स्मार्ट ग्रिड तथा अन्य नई उभरती प्रौद्योगिकियों के अभिसरण पर इस बात का गंभीर प्रभाव पड़ेगा कि भविष्य में ऊर्जा क्षेत्र किस तरह से विकास करता है।

भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) लो वोल्टेज डायरेक्ट करंट (एलवीडीसी) पावर वितरण प्रणाली और उसको बढ़ावा देने से संबंधित भारतीय मानकों के निर्धारण को संचालित कर रहा है। बीआईएस अक्षय ऊर्जा के ग्रिड समेकन के क्षेत्र में राष्ट्रीय मानक बनाने की प्रक्रिया में है।

श्री राम मुईव, सचिव, एनईसी ने कहा कि नीति-निर्माताओं, उद्योगों तथा तकनीकी विशेषज्ञों सहित सभी स्टैकहोल्डरों के लिए यह सम्मेलन अत्यंत लाभप्रद होगा और इसके साथ यह जागरूकता पैदा करने तथा एलवीडीसी एवं अक्षय ऊर्जा ग्रिड के समेकन के क्षेत्र में ऊर्जा प्रौद्योगिकी की उपयोगिता को बढ़ावा देने के उद्देश्य को भी पूरा करेगा।

श्री सी बी सिंह, अपर महानिदेशक, श्री विष्णु गुप्ता, उपमहानिदेशक और श्री राजीव शर्मा, प्रमुख, विद्युत तकनीकी विभाग, बीआईएस ने भी सम्मेलन के उद्घाटन सत्र में भाग लिया। विख्यात तकनीकी विशेषज्ञों, शिक्षाविदों, उद्यमियों, एलवीडीसी पर आईईसी सिस्टम कमेटी के अध्यक्ष श्री देबजीत पलित, श्री राजेश

कुन्न्ठ, श्री वेंकट राजाराम, डा राशि गुप्ता, श्री कार्तिक वाही, श्री अमित मुखर्जी और श्रीमती वंदना सिंघल ने सम्मेलन के दौरान तकनीकी पेपर प्रस्तुत किए ।



